

श्रीः

श्रीमते रामानुजाय नमः

श्री ह्यग्रीवाष्टोत्तर शत नामावलिः

1ओं ह्यग्रीवाय नमः	ஹயக்ரீவாய நமः
2ओं महाविष्णवे नमः	மஹாவிஷ்ணவே
3ओं केशवाय नमः	கேசவாய
4ओं मधुसूदनाय नमः	மதுஸூதநாய
5ओं गोविन्दाय नमः	கோவிந்தாய
6ओं पुण्डरीकाक्षाय नमः	புண்டரீகாக்ஷாய
7ओं विष्णवे नमः	விஷ்ணவே
8ओं विश्वम्बराय नमः	விஸ்வம்பராய
9ओं हरये नमः	ஹரயே
10ओं आदित्याय नमः	ஆதித்யாய
11ओं सर्ववागीशाय नमः	ஸர்வவாகீசாய
12ओं सर्वाधाराय नमः	ஸர்வாதாராய
13ओं सनातनाय नमः	ஸநாதநாய
14ओं निराधाराय नमः	நிராதாராய
15ओं निराकाराय नमः	நிராகாராய
16ओं निरीशाय नमः	நிரீஷாய
17ओं निह्वाय नमः	நித்ருவாய
18ओं निरञ्जनाय नमः	நிரஞ்ஜநாய
19ओं निष्कलाय नमः	நிஷ்கலாய
20ओं नित्यतृप्ताय नमः	நித்யத்ருப்தாய
21ओं निरामयाय नमः	நிராமயாய
22ओं चिदानन्दाय नमः	சிதாநந்தாய
23ओं साक्षिणे नमः	ஸாக்ஷிணே
24ओं शरण्याय नमः	சரண்யாய
25ओं सर्वदायकाय नमः	ஸர்வதாயகாய
26ओं श्रीमते नमः	ஸ்ரீமதே
27ओं लोकत्रयाधीशाय नमः	லோகத்ரயாதீசாய
28ओं शिवाय नमः	ஓம்சிவாய

29	ओं सारस्वतप्रदाय नमः	ஸாரஸ்வதப்ரதாய
30	ओं वेदोद्धर्त्रे नमः	வேதோத்தர்த்ரே
31	ओं वेद निधये नमः	வேத நிதயே
32	ओं वेद वेद्याय नमः	வேத வேத்யாய
33	ओं पुरातनाय नमः	புராதநாய
34	ओं पूर्णाय नमः	பூர்ணாய
35	ओं पूरयित्रे नमः	பூரயித்ரே
36	ओं पुण्याय नमः	புண்யாய
37	ओं पुण्यकीर्तये नमः	புண்யகீர்த்தயே
38	ओं परात्पराय नमः	பராத்பராய
39	ओं परमात्मणे नमः	பரமாத்மணே
40	ओं परस्मै ज्योतिषे नमः	பரஸ்மை ஜ்யோதிஷே
41	ओं परेशाय नमः	பரேசாய
42	ओं पारगाय नमः	பாரகாய
43	ओं परस्मै नमः	பரஸ்மை
44	ओं सखलोपनिषद्वेद्याय	ஸகலோபநிஷத்வேத்யாய
45	ओं निष्कलाय नमः	நிஷ்கலாய
46	ओं सर्वशास्त्र कृते नमः	ஸர்வசாஸ்த்ர க்ருதே
47	ओं अक्षमालाज्ञानमुद्धा युक्त हस्ताय नमः	அக்ஷமாலாஜ்ஞாந முத்ரா யுக்த ஹஸ்தாய
48	ओं वरप्रदाय नमः	வரப்ரதாய
49	ओं पुराण पुरुषाय नमः	புராண புருஷாய
50	ओं श्रेष्ठाय नमः	ஸ்ரேஷ்டாய
51	ओं शरण्याय नमः	சரண்யாய
52	ओं परमेश्वराय नमः	பரமேஸ்வராய
53	ओं शान्ताय नमः	சாந்தாய
54	ओं दान्ताय नमः	தாந்தாய
55	ओं जितक्रोधाय नमः	ஜிதக்ரோதாய
56	ओं जितामित्राय नमः	ஜிதாமித்ராய
57	ओं जगन्मयाय नमः	ஜகந்மயாய
58	ओं जरामृत्यु हराय नमः	ஜராம்குத்யு ஹராய

59	ओं जीवाय नमः	ஜீவாய
60	ओं जयदाय नमः	ஜயதாய
61	ओं जाड्य नाशनाय नमः	ஜாட்ய நாசநாய
62	ओं जपप्रियाय नमः	ஜபப்ரியாய
63	ओं जपरस्तुत्याय नमः	ஜபஸ்துத்யாய
64	ओं जपकृते नमः	ஜபக்ருதே
65	ओं प्रियकृते नमः	ப்ரியக்ருதே
66	ओं प्रभवे नमः	ப்ரபவே
67	ओं विमलाय नमः	விமலாய
68	ओं विश्वरूपाय नमः	விஸ்வரூபாய
69	ओं विश्व गोप्त्रे नमः	விஸ்வ கோப்த்ரே
70	ओं विधिस्तुताय नमः	விதிஸ்துதாய
71	ओं विधये नमः	விதயே
72	ओं विष्णवे नमः	விஷ்ணவே
73	ओं शिवस्तुताय नमः	சிவஸ்துதாய
74	ओं शान्तिदाय नमः	சாந்திதாய
75	ओं क्षान्ति पारगाय नमः	க்ஷாந்தி பாரகாய
76	ओं श्रेयः प्रदाय नमः	ஸ்ரேய: ப்ரதாய
77	ओं श्रुतिमायाय नमः	ஸ்ருதிமாயாய
78	ओं श्रेयसांपतये नमः	ஸ்ரேயஸாம்பதயே
79	ओं ईश्वराय नमः	ஈஸ்வராய
80	ओं अच्युताय नमः	அச்யுதாய
81	ओं अनन्तरूपाय नमः	அநந்தரூபாய
82	ओं प्राणदाय नमः	ப்ராணதாய
83	ओं पृथ्वीपतये नमः	ப்ருத்வீபதயே
84	ओं अव्यक्ताय नमः	அவ்யக்தாய
85	ओं व्यक्त रूपाय नमः	வ்யக்த ரூபாய
86	ओं सर्व साक्षिणे नमः	ஸர்வஸாக்ஷிணே
87	ओं तमोहराय नमः	தமோஹராய
88	ओं अज्ञान नाशकाय नमः	அஜ்ஞாந நாசகாய
89	ओं ज्ञानिने नमः	ஜ்ஞாநநே

90	ओं पूर्णचन्द्र समप्रभाय	பூர்ணசந்த்ர ஸமப்ரபாய
91	ओं ज्ञानदाय नमः	ஜ்ஞாநதாய
92	ओं वाक्पतये नमः	வாக்பதயே
93	ओं योगिणे नमः	யோகிணே
94	ओं योगीशाय नमः	யோகீசாய
95	ओं सर्वकामदाय नमः	ஸர்வகாமதாய
96	ओं महा मौनिने नमः	மஹா மௌநிநே
97	ओं महा योगिने नमः	மஹா யோகிநே
98	ओं मौनीशाय नमः	மௌநீசாய
99	ओं श्रेयसांनिधये नमः	ஸ்ரேயஸாம்நிதயே
100	ओं हंसाय नमः	ஹம்ஸாய
101	ओं परहंसाय नमः	பரஹம்ஸாய
102	ओं विश्व गोप्त्रे नमः	விஸ்வ கோப்த்ரே
103	ओं विराजे नमः	விராஜே
104	ओं स्वराजे नमः	ஸ்வராஜே
105	ओं शुद्ध स्फटिक सङ्काशाय	சுத்த ஸ்படிக ஸங்காசாய
106	ओं जटामण्डल सम्युताय	ஜடாமண்டலஸம்யுதாய
107	ओं आदिमध्यान्तरहिताय	ஆதிமத்யாந்தரஹிதாய
108	ओं सर्ववागीश्वरेशाय नमः	ஸர்வவாகீஸ்வரேசாய நம:
	ओं लक्ष्मी समेत हयग्रीव	லக்ஷ்மீ ஸமேத ஹயக்ரீவ
	स्वामि परब्रह्मणेनमः	ஸ்வாமி பரப்ரஹ்மணே
	ओं भक्ता भीष्ट बलप्रत	பக்தா பீஷ்ட பலப்ரத
	स्वामिने नमः	ஸ்வாமிநே

गायत्रि

ओं अश्वाननाय विद्महे विद्याधराय धीमहि
तन्नो हयग्रीवः प्रचोदयात्

मूल मन्त्रं

ओं ऋग् यजु र्साम रूपाय वेदाहरण कर्मणे प्रणवेकी
गीत वपुषे महाश्व शिरसे नमः